श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दुओं के पवित्रतम ग्रन्थों में से एक है। श्रीमद्भगवद्गीता की पृष्ठभूमि महाभारत का युद्ध है। महाभारत के अनुसार कुरुक्षेत्र युद्ध में भगवान श्री कृष्ण ने गीता का उपदेश अर्जुन को सुनाया था। जिस प्रकार अर्जुन महाभारत में सामने आने वाली समस्याओं से भयभीत होकर जीवन और क्षत्रिय धर्म से निराश हो गए थे, अर्जुन की तरह ही हम सभी कभी–कभी हताश हो जाते हैं और या फिर अपनी समस्याओं से विचलित होकर भाग खड़े होते हैं। इसीलिए भगवान श्रीकृष्ण ने जनमानस के लिए कर्तव्यनिष्ठ मार्ग प्रशस्त करने के लिए इस महाज्ञान को गीता के माध्यम से प्रस्तुत किया और कोजो प्रेस ने फ्लैश कार्ड्स बाक्स के माध्यम से उसी महाज्ञान को श्री कृष्णावाणी के रूप में प्रकाशित किया है। श्रीमद्भगवद्गीता से हमनें 30 श्लोक लिए हैं जिनके माध्यम से हम अपने और अपने बच्चों के जीवन में एक विशाल परिवर्तन ला सकते हैं। आज की आपा–धापी से भरे जीवन में सबके पास समय की कमी है। बच्चों के पास स्कूल और कोचिंग की किताबों से ही समय नहीं मिल पाता की वो कुछ और पढ़ सके। इन्ही सब बातो को ध्यान में रखकर हमारी संपादकीय टीम ने श्री कृष्णावाणी के माध्यम से 30 श्लोको का एक पाकेट साइज फ्लैश कार्ड्स बाक्स प्रस्तुत किया है।

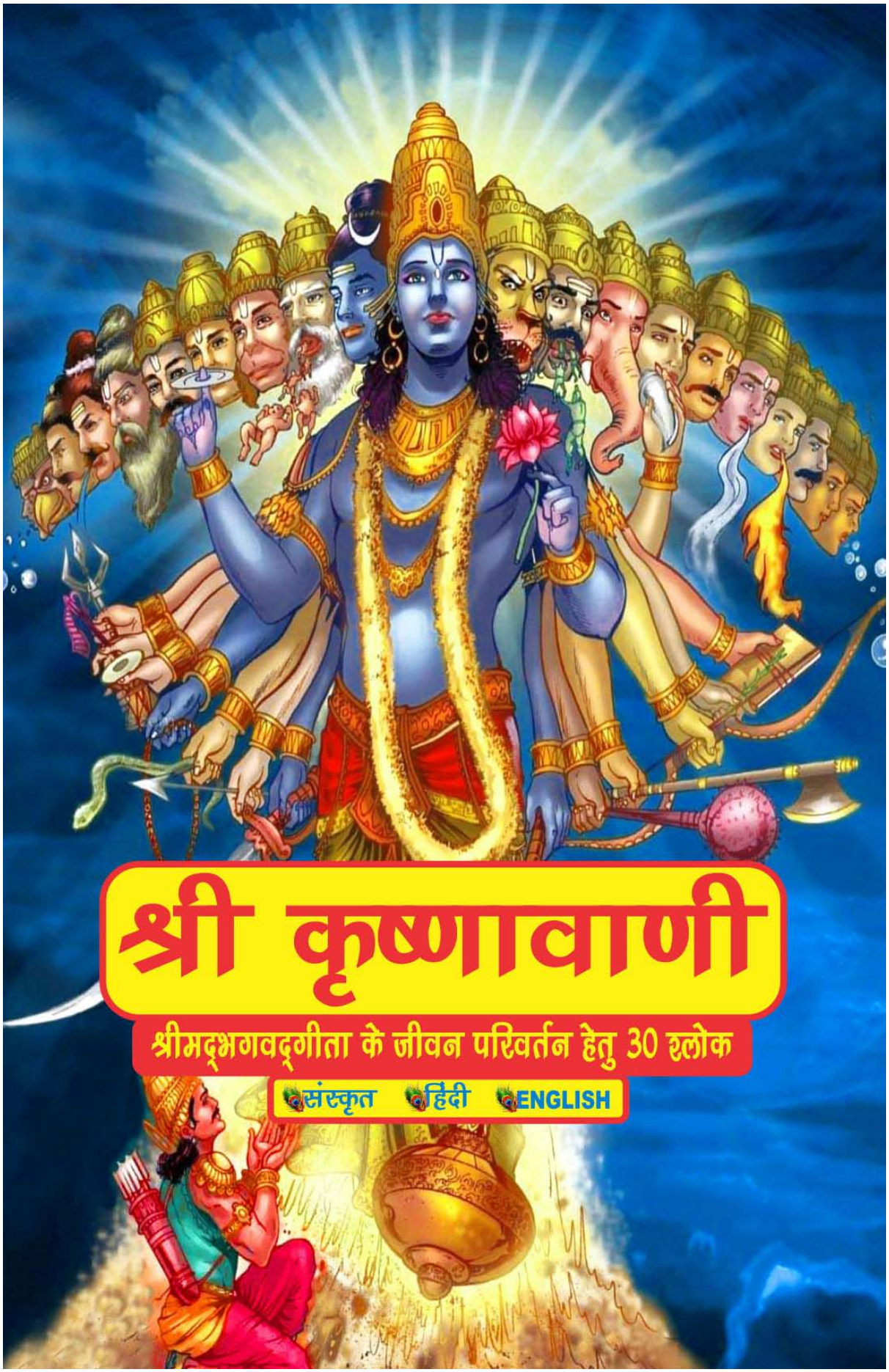
श्री कृष्णावाणी
श्रीमद्भगवद्गीता के जीवन परिवर्तन हेतु 30 श्लोक
संस्कृत
हिंदी
ENGLISH

ISBN 10: 8119525000
9 788119 525003

श्री कृष्णावाणी

श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दुओं के पवित्रतम ग्रन्थों में से एक है। श्रीमद्भगवद्गीता की पृष्ठभूमि महाभारत का युद्ध है। महाभारत के अनुसार कुरुक्षेत्र युद्ध में भगवान श्री कृष्ण ने गीता का उपदेश अर्जुन को सुनाया था। जिस प्रकार अर्जुन महाभारत में सामने आने वाली समस्याओं से भयभीत होकर जीवन और क्षत्रिय धर्म से निराश हो गए थे, अर्जुन की तरह ही हम सभी कभी-कभी हताश हो जाते हैं और या फिर अपनी समस्याओं से विचलित होकर भाग खड़े होते हैं। इसीलिए भगवान श्रीकृष्ण ने जनमानस के लिए कर्तव्यनिष्ठ मार्ग प्रशस्त करने के लिए इस महाज्ञान को गीता के माध्यम से प्रस्तुत किया और कोजो प्रेस ने फ्लैश काईस बॉक्स के माध्यम से उसी महाज्ञान को श्री कृष्णावाणी के रूप में प्रकाशित किया है।

HINDUस्तानी
An Imprint of 工場 kojo press